बदलती तस्वीर

कहानी एक गांव के बदलाव की

हमीर फलिया

हेमा नानू वह खुशनसीब लड़की हैं, जिसके सपने उसके पिता की बाड़ी से उपजे हैं। खेत को बाड़ी में तब्दील कर नानू राम ने उसकी कमाई से अपनी बेटी के सपने को साकार किया हैं। जिस गांव में बेटे को स्कूल भेजने के प्रति ग्रामिणों की अरूचि है, उस ग्राम में नानूराम ने अपनी बेटी को प्रायवेट कांवेन्ट स्कूल में भर्ती कर 400 रूपये प्रति माह वहन करने की जिम्मेदारी उठा कर बदलाव की नई पहल दर्ज की हैं।

मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना,झाबुआ

बाड़ी से उपजे सपनें

हेमा नानूराम वह खुशनसीब लड़की हैं, जिसके सपने उसके पिता की बाड़ी से उपजे हैं। खेत को बाड़ी में तब्दील कर नानूरामराम ने उसकी कमाई से अपनी बेटी के सपने को साकार किया हैं। जिस गांव में बेटे को स्कूल भेजने के प्रति ग्रामिणों की अरुचि है, उस ग्राम में नानूराम ने अपनी बेटी को प्रायवेट कांवेन्ट स्कूल में भर्ती कर ४०० रुपये प्रति माह वहन करने की जिम्मेदारी उठा कर बदलाव की नई पहल दर्ज की हैं। बदलाव की इस पहल में परियोजना के छोटे एंव प्रभावी प्रयास कारगर साबित हुए हैं।

(हमीर फलिया ग्राम मे आए बदलाव की रिर्पोट)

1. **ग्राम परिचय** :— दाहोद लिमड़ी मुख्य मार्ग से हरिनगर की ओर दक्षिण दिशा में स्थित ग्राम **हमीर फलिया** परियोजना के प्रथम चरण के गांव थेथम पंचायत का गांव है। थांदला विकास खंड के अन्तर्गत आने वाले इस गांव को पहले हमरिया के नाम से जाना जाता था। पूर्व में यह ग्राम पंचायत वट्टा का एक फलिया था, पंचायतों के विभाजन के बाद इसे ग्राम पंचायत थेथम के अन्तर्गत जोड़ा गया। यह गांव संकुल कार्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित है। गांव में कुल 5 फलिये हैं, जिसमें कलारा फलिया, पटैल फलिया, डुगरी फलिया, महुड़ी फलिया, व निनामा फलिया हैं। 4 वार्ड वाले इस ग्राम की सरपंच श्रीमति कपूरी रसूल भाबोर हैं ।
2. **शुरुआती समस्याएं एंव निराकरण के प्रयास** :— ग्राम स्तर पर परियोजना की पहुंच के दौरान परियोजना दल को उन्हीं समस्याओं से जूझना पडा, जो आमतौर पर सभी ग्रामों में आती हैं। लेकिन परियोजना के सतत प्रयासो के चलते ग्राम मे अपनी पहुंच बनाई, इसमें ग्राम मे परियोजना सहायता दल द्वारा किया गया रात्रि विश्राम काफी सफल रहा। जिससे ग्रामीणो में परियोजना के प्रति विश्वास बढा एवं कार्यों मे आई बाधाएं दूर हुई। ग्राम प्रवेश के दौरान 30 अप्रैल 2008 को किया गया रात्रि विश्राम व सुबह की गई बैठक ने ग्रामीणो में परियोजना के प्रति विश्वास जागृत किया। इस प्रयास को मिले समर्थन ने आगे का रास्ता साफ किया और परियोजना दल को कार्य में आसानी हो सकी।
3. **ग्रामसभा सशक्तिकरण** :— परियोजना की पहल से ग्राम में नियमित ग्राम सभाएं होना शुरु हुई है तथा ग्रामिणों की उपस्थिति में वृद्धि हुई हैं। इन ग्राम सभाओं में गतिविधियों पर प्रस्ताव एवं ग्राम की समस्याओं पर विचार किया जाता है। इन बैठकों में स्कूल, मध्यान्ह भोजन व आंगनवाडी को भी चर्चा को विषय बनाया जाता रहा है। ग्राम सभा मे आजीविका प्रोत्साहक सुनील निनामा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। परियोजना राशि से सम्पन्न सामूहिक गतिविधियों के द्वारा सभी परिवारों

–DFID TEAM का ग्राम भ्रमण

–श्रीमती समुड़ी जानू का बगीचा

को लाभान्वित किया गया हैं। इसमें वृक्षारोपण, पशु उपचार, फायवर शीट एंव उन्नत चूल्हे जैसी गतिविधियां शमिल हैं।

4. **वानिकी के संबंध में किये गये प्रयास एंव परिणाम** :– ग्राम हमीर फलिया मे परियोजना के माध्यम से सागौन एवं बांस का रोपण किया गया है। वर्ष 2008 में 1100 वानिकी एंव 300 फलदार पौधे का रोपण किया गया हैं। इसी तरह वर्ष 2009 में 1400 वानिकी एंव 450 फलदार पौधे एंव वर्ष 2010 में 2700 वानिकी एंव 1775 फलदार पौधों का रोपण किया गया । ग्राम मे घास का उत्पादन भी वन विभाग कि जमीन पर किया जाता है जिससे वन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष घास के बीज दिये जाते है। वानिकी वृक्षारोपण के अर्न्तगत–दिपसिह राणजी, धीरजी खोमसिह, खोमा बिजिया एवं बसु लक्ष्मण ने 100 से 200 पौधों को पेच मे रोपण किया गया है। जिसमें सागौन के पौधे के पेंच विकसित किये गये है। ग्राम में अभियान चलाकर 175 बांस के भिंरों की सफाई कि गई है, यह कार्य ग्राम मे दिये गए प्रशिक्षण के माध्यम से किया गया।

5. **कृषि में बदलाव** :– ग्राम में खरीफ एवं रबी दोनों फसलें ली जाती है। सिंचाई का मुख्य आधार 19 कुंए है , इन्ही संसाधनो को दृष्टिगत रखते हुए परियोजना कि पहल से ग्राम मे वर्ष 2009 –10 मे 3 पपिता के बगीचे विकसित किये गये थे, जिनकी संख्या बढकर वर्ष 2010–11 मे 12 हो गई है। ग्राम के नानसिह बिजिया ने 2008 वर्ष 200 पौधों का पपीता बगीचा तैयार किया था जिससे उसकी आमदनी 20000 रू.की हुई थी। नानसिह ने बगीचे के साथ मे बॉस व सागौन की नर्सरी भी तैयार की थी, जिससे उसे लगभग 18000 रू.का लाभ हुआ। साथ ही साथ नानसिह बिजिया ने दूसरी बार नर्सरी लगाकर 35 हजार रूपये का सीधा लाभ अर्जित किया है । नानसिंह अब अपने बच्ची हेमा नानूराम को मोन्टफोर्ट इंगलिश मिडियम स्कुल मे पढ़ाने लगा है। इस वर्ष नानसिह ने 20000 हजार रूपये का डीजल पंप खरीदकर अपने खेती के रकबे को बढ़ा दिया है एवं अब नानसिह खरिफ रबी एवं जायद तीनों मौसम मे खेती करने लगा है। परियोजना के इस प्रयास से पलायन करने वाले नानसिह के परिवार को स्थाई आजीविका के साधन उपलब्ध हुए है, जिससे उसकी आजीविका संवहनीय हुई है। नानसिंह ने एक और बगीचा तैयार कर उसमें पपीता के साथ अश्वगंधा का रोपण किया हैं। नानसिंह सहित 7 लोगों को उद्यानिकी विभाग से 7000 हजार का अनुदान दिलाया गया हैं। नान सिहं की बाड़ी में फलों के अलावा सब्जी का भी उत्पादन जारी हैं। जिसमें मिर्च एंव बालोर का रोपण किया गया हैं। मिर्च उत्पादन से उसने 4 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित की हैं। इससे प्रेरित होकर ग्राम मे इस वर्ष लगभग 12 बगीचे लगाए गये है, जिसमें समुड़ी जानू ने अपने खेत में 50 पपीते के

माध्यम से बाडी को विकसित किया है। ताईवान पपीते के पौधे फल देने की स्थिति में आ गये हैं। श्रीमती समुड़ी ने पेड़ की तलहटी में मिर्च उत्पादन लिया है। ग्राम के गौर सिंह रामचंद्र की बाड़ी परियोजना की आदर्श बाडी के रूप में उभरकर सामने आई है। गौरसिंह ने अपने 1 बीघा खेत में फलदार एवं सब्जी पौधों का रोपण कर अपनी आय को सुनिश्चित कर लिया है। गौरसिंह के बगीचे में आम, जाम, पपीता, पत्तागोभी, बैगन, धनिया, लहसुन, एवं मिर्च का उत्पादन जारी है। गौरसिंह ने मेड़ पर गत वर्ष बांस पौधों का रोपण किया था, वह भी बेहतर स्थिति में आ गये हैं। परियोजना सहायता दल ने उद्यानिकी विभाग से समन्वय कर 7 हजार रूपये की बाडी पर अनुदान सहायता उपलब्ध कराई है। गौरसिंह की मिर्च एवं सब्जियां बिकने को तैयार खडी हैं। जिनमे लगभग 700 पौधे रोपित कर बगीचे तैयार किये गये है। ग्राम में खरीफ मे लगभग 25 परिवारों को सब्जी मिनिकिट उपलब्ध कराए गए थे। रबी मे 10 कृषक सब्जी उत्पादन कर लाभ अर्जित कर रहे है। ग्राम मे सिचाई हेतु 4 परिवारो को डीजल पंप उपलब्ध कराए गये, जिससे रबी का 30 एकड रकबा बढा है।

6. **पशुधन विकास** :— ग्राम के 5 परिवारो को मुर्गी पालन एवं 10 ग्रामीणो को बकरी पालन गतिविधि से जोडा गया । अतिगरीब परिवारें में लक्षित काला धूलिया ने मुर्गीपालन के माध्यम से अपनी आय को सुनिश्चित कर लिया है। अभी तक 4 चरण को पूर्ण कर 400 मुर्गे बेचकर 15 से 16 हजार की अतिरिक्त आय काला धूलिया ने अर्जित की है। स्वयं शेड निर्माण कर शुरू की गई इस गतिविधि में परियोजना ने 10 हजार का अनुदान उपलब्ध कराया था। काला धुलिया सहित 5 परिवारों को मुर्गी पालन से जोडा गया है । जिन्होने भी 3 चरण पूर्ण कर 4000 तक की अतिरिक्त आय को अर्जित किया हैं। पशुधन विकास कार्यक्रम के अर्न्तगत ग्राम के अब तक 05 पशु स्वास्थ्य शिविर लगाए जा चुके है जिससे 1800 पशु का उपचार किया गया है। ग्राम मे टीकाकरण हेतु ट्रेविस भी स्थापित है।

7. **लघुउद्यमिता कार्य** :— ग्राम में 08 हितग्राहीयो को किराना व्यवसाय ,सिलाई कार्य, माईक सेट, सब्जी कय विकय ,मुर्गी कय विकय ,जैसी आय अर्जन गतिविधियो से जोडा गया है। जिससे इन आठ परिवारो का पलायन तो रूका ही साथ ही साथ आजीविका के स्थाई साधन उपलब्ध हुए है। ग्राम के किराना व्यवसाय वाले शैतान जवता कटारा अपने किराना व्यवसाय से काफी खुश है एवं वह 4000 रू.प्रतिमाह आय अर्जित कर रहा है। उसने 8 हजार का ऋण लेकर वापस कर 8 हजार का ऋण पुनः लिया हैं। उसने भी अपने 2 बच्चों कान्वेट में पढ़ने भेजा हैं। कलसिह भावसिह जिनको पशुधन कय विकय हेतु गतिविधि से जोड़ा गया है। उसने इस गतिविधि से डेढ़ वर्ष मे लाभ अर्जित कर 1

—गौरसिंह का बगीचा

—महिला हितग्राही का बगीचा

— काला धूलिया का मुर्गीपालन

—शैतान जवता का किराना व्यवसाय

— रेखा रमेश की सिलाई दुकान

चार पहिया वाहन भी क्रय किया हैं। अब वह लगभग 5000 रू.प्रतिमाह लाभ अर्जित कर रहे है। गांव की ही सिलाई कार्य मे दक्ष प्रशिक्षित महिला श्रीमति रेखा रमेश को परियोजना द्वारा सिलाई मशीन हेतु गतिविधि से जोडा है। श्रीमति रेखा रमेश ने ग्राम हरिनगर मे स्वयं कि सिलाई दुकान खोलकर 3000–4000 रू. प्रतिमाह लाभ अर्जित कर रही है। परियोजना के प्रयासों से उत्साहित रेखा का कहना है, कि परियोजना की मदद से ही उसे रोजगार हासिल हो सका है। राज्य समन्वयको के भ्रमण के दौरान इन गतिविधियो से जुडे हितग्राहियो से सीधी चर्चा मे ग्रामीण आजीविका हेतु सफल लाभदायी गतिविधि बताया गया।

8. **जेण्डर समानता के तहत किये गये प्रयास** :– फाईबर शीट के माध्यम से सभी परिवारों के रसोई घरों को प्रकाशमय किया गया है। 50 परिवारों में उन्न्त चूल्हे का निर्माण कर घर को धुंआरहित बना लिया हैं। बायोगैस की उपयोगिता के मद्देनजर 4 परिवार को इस गतिविधि से जोड़कर शेष ग्रामीणों का उन्मुखीकरण जारी है। महिला उन्मुखीकरण के प्रयास से ग्राम सभा में महिलाओं की उपस्थिति में लगातार वृद्धि हो रही हैं। ग्राम सभा के माध्यम से जारी ऋण राशि में महिलाओं का प्रतिशत 54 फीसदी हैं।

– लक्ष्मी काला की आंखों का आपरेशन कराया गया हैं।

– 50 परिवारों में उन्न्त चूल्हे का निर्माण कराया गया हैं।

–स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन जारी हैं।

9. **सामाजिक सुरक्षा की दिशा में किये गये प्रयास** :– सामाजिक सुरक्षा की दिशा में ग्राम में अनुकरणीय प्रयास किये गये। ग्राम में चिंहित 13 अतिगरीब परिवार को लाभावित किया जा चुका हैं। इनको मुर्गी पालन, बैल सहायता, बकरी पालन एंव लघु उद्यमिता गतिविधियों से जोड़ा गया हैं। 2 परिवार को मकान सहायता उपलब्ध कराई गई हैं। ग्राम के 01 विकलांग को आय अर्जक गतिविधि से जोडा गया, जो किराना दुकान गतिविधि के माध्यम से बेहतर आजीविका सम्पादित कर रहे हैं। गरीब परिवारों में शामिल 18 परिवार आय अर्जक गतिविधियों में संलग्न हैं। ग्राम सभा के माध्यम से जारी ऋण राशि में गरीब एंव अगिरीब परिवारों का प्रतिशत 68 फीसदी हैं। ग्राम में विकलांग पेंशन योजना के माध्यम से 02, विधवा पेंशन के माध्यम से 02, एवं वृद्धावस्था पेंशन योजना के माध्यम से 16, जननी सुरक्षा योजना के माध्यम से 07, लाडली लक्ष्मी योजना के माध्यम से 10 राष्ट्रिय परिवार सहायता 06, आपदा कोष 26, इंदिरा आवास 05, सामाजिक सुरक्षा योजना 01, आम आदमी बीमा योजना 82, जनश्री बीमा योजना 75, परिवारो को लाभान्वित कराया गया ।ग्राम में आपदा कोष का सफल संचालन जारी है। जिसके माध्यम से 12 गरीब परिवारों को आपात समय में पडने वाली आर्थिक जरूरतों की पूर्ति संभव हो रही है। ग्राम की श्रीमती लक्ष्मी काला की आंखों का आपरेशन परियोजना सहायता दल के प्रयासों से कराया गया है। पूर्णतः अंधत्व की शिकार लक्ष्मी इस प्रयास से खासी खुश है। मोतियाबिंद के आपरेशन के बाद न केवल वो देखने लगी है, बल्कि अपने पति के साथ मुर्गीपालन में सहयोग भी कर रही है। ग्राम मे नेत्र परीक्षण एवं दृष्टि

क्र.	योजना	लाभान्वित
01	विकलांग पेंशन योजना	02
02	जननी सुरक्षा योजना	07
04	वृद्धावस्था पेंशन	16
05	विधवा पेंशन	02
06	लाडली लक्ष्मी योजना	10
07	राष्ट्रीय परिवार सहायता	06
08	आपदा कोष	26
09	इंदिरा आवास	05
10	आम आदमी बीमा योजना	82
11	जनश्री बीमा योजना	75

निवारण शिविर जीवन ज्योति हॉस्पिटल मेघनगर से समन्वय कर आयोजित किया गया था जिसमे ग्राम के 10 मरिजों का नेत्र परिक्षण कर उपचार सामग्री उपलब्ध कराई गई ।

आंगनवाड़ी – ग्राम में 1 आंगनवाडी का संचालित है, जिसमें 143 बच्चे दर्ज हैं। ग्रामीणों के अनुसार नियमित रूप से आंगनवाडी संचालित हो रही है। 15 गर्भवती महिलाओं, 09 धात्री महिलायें एवं 45 किशोरी बालिकायें नामांकित शामिल हैं। ए.एन.एम. द्वारा नियमित रूप से टीकाकरण कार्यक्रम संपादित किया जा रहा है।

शिक्षा – ग्राम में 1 प्राथमिक स्कूल एवं 1 ई.जी.एस.स्कुल है। परियोजना दल ने शिक्षा सत्र शुरू होने के पूर्व बच्चों के माता पिता की बैठको कर प्रयास किय गये हैं। स्कूल में कुल 107 बच्चे दर्ज है एवं 13 बच्चे ऐसे है जो और अच्छी शिक्षा हेतु हरिनगर के मोनफोर्ट स्कुल मे दर्ज है। शाला त्यागी बच्चों को स्कूल लाने की दिशा में परियोजना ने जागरूकता संबंधी कार्य कर अपनी भूमिका सुनिश्चित की है।

10. **गठित समूह एंव बैंक लिंक** :– ग्राम मे कुल 3 समूहो का गठन किया गया है। जिसमे 2 महिला एवं 1 समूह पुरुषों का हैं। इन्हे समय समय पर प्रशिक्षणों के माध्यम से सशक्तिकरण के प्रयास किये जा गये है तथा समूह ग्रेडिंग एवं बैंक लिंकेज हेतु प्रयास अंतिम चरण में है।

11. **समन्वय से कार्य** :– परियोजना के प्रयासों से ग्राम में कुल 7 परिवारो को उद्यानिकी विभाग से भांकर मिर्च उत्पादन हेतु 49000 हजार रू. का समन्वय कराया गया । जिससे सात कृषक लाभान्वित हुए है। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग से मक्का एवं कल्चर के मिनी किट्स उपलब्ध कराए गये हैं। जिससे 25 कृषक लाभान्वित हुए है। उद्यानिकी विभाग द्वारा फलोद्यान विकास कार्यक्रम के अर्न्तगत ग्राम के गोरसिह रामचन्द्र को जामफल,एवं आम का बगीचा तैयार करने पर 4000 रू.(समन्वय)राशि प्राप्त हुई है । इस राशि से वह बगीचे कि बागड तैयार करेगा ताकि उस बगीचे से अधिक लाभ अर्जित कर सके।

12. **पलायन पर प्रभाव** :– ग्राम के 14 परिवारो का पलायन सीधे तौर पर रूका हैं। इससे 4 परिवार मुर्गीपालन, 3 परिवार किराना दुकान, 4 परिवार डीजल पंप ,1 परिवार सिलाई मशीन ,1परिवार माईक सेट व 1 परिवार बाडी बगीचा में संलग्न हैं। इसके अतिरिक्त 27 परिवारो के पलायन अवधि मे कमी आई है। परियोजना के प्रयासों से 3000 मासिक आय अर्जित करने वाले 6 परिवार आंकलित किये गये हैं।

13. **राज्य समन्वयकों का भ्रमण** :– ग्राम मे D.F.I.D. प्रतिनिधियो एवं राज्य समन्वयक लर्निग फोरम श्री रितुराज रंजन, जलग्रहण एवं वानिकी श्री नरेश यादव, द्वारा किया जा चुका है। सभी अधिकारियों ने इस ग्राम में किये गये कार्यो की सराहना की है।

– समन्वयक,लर्निग फोरम श्री रितुराज रंजन की ग्राम बैठक में भागीदारी एंव सरपंच से चर्चा।

14. **बयान**

– *"पहले में बाहर जाकर मजूरी कर अपने परिवार को पालता था, अब परियोजना ने मुझे नर्सरी व बगीचा जैसी गतिविधि देकर फायदा पहुंचाया है। अब मै और मेरा परिवार गांव मे ही खुश है।*

– श्री नानसिह बिजिया (हितग्राही)

– *मुगीपालन के माध्यम से 4 चरण में मैने 15000–16000 रुपये का फायदा लिया है, परियोजना कि इस सहायता से मुझे वृद्धावस्था पेंशन योजना मे सम्मान से जिने का सहारा दिया है।*

– श्री काला धुलिया (हितग्राही)

– *परियोजना के कार्य, पारदर्शी एवं ग्रामीणो के लिए लाभदायी है ।परियोजना के कामों का आधार ग्राम सभा है । यह आधार ग्रामीणो को सिखाता है कि ग्राम सभा सभी के लिए महत्वपूर्ण है।*

– रसुल रूपला भाभर (सरपंच पति)

15. **गांव एक नजर में :–**

– ग्राम	– हमीर फलिया
– संकुल	– काकनवानी–1
– ब्लाक	– थांदला
– ब्लाक से दूरी	– 30 कि.मी.
– फलिया संख्या एंव नाम	– 05 (पटेल,बारिया,महुडी,निनामा,कलारा)
– जनसंख्या	– 698 (पुरूष–331,महिला–367)
– परिवार संख्या	– 141
– रहने वाली जनजाति	– भील
– सम्पन्नता सूची	– सम्पन्न–19,मध्यम–49,गरीब–55 एंव अतिगरीब–18
– सरपंच का नाम	– श्रीमति कपूरी रसुल भाभर
– पंचों की संख्या	– 04
– वार्ड संख्या	– 04
– ग्राम विकास समिति अध्यक्ष	– श्रीमति कपूरी रसुल भाभर
– सचिव	– श्री वाहडिया सिंगाड
– आजीविका मित्र	– सुनिल निनामा
– प्राप्त राशि	– 616449
– कुल व्यय	– 581235
– पशुधन संख्या	– भैस–11,गाय–102,बैल–169,बकरिया–81,मुर्गीया–980
– कुआ संख्या	– 19
– तालाब	– 02
– नाला	– 01
– कुल भूमि	– 145.62 हेक्टैयर
– सिंचित भूमि	– 31.35 हेक्टैयर
– स्कूल	– 1 प्राथमिक व 1 ई.जी.एस.
– साक्षरता प्रतिशत	– 11.74 फीसदी
– शाला प्रवेशी बच्चें	– 105

रिपोर्ट :– संजय सक्सेना

(**जानकारी संकलन** –असद शेख ,समन्वयक, नीरु डाबर, शैलेन्द्र चौहान ममता राय,सदस्य एंव सुनील निनामा आजीविका मित्र)